IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

उच्चतर माध्यमिक स्तर के शिक्षकों के शिक्षक प्रभावशीलता का उनके विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन

कु. प्रीति सिंह
शोध छात्रा (शिक्षा संकाय)
पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर छ. ग

डा.पद्मा अग्रवाल
प्राध्यापक
मनसा शिक्षा महाविद्यालय,कुरूद, भिलाई नगर

डा.सुमनलता सक्सेना
विभागाध्यक्ष शिक्षा संकाय
कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यालय भिलाई नगर

सारांश – प्रस्तुत शोध अध्ययन में उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में कार्यरत शिक्षकों के शिक्षक प्रभावशीलता का उनके विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन किया गया है। अध्ययन हेतु दुर्ग जिले के 8 उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का चयन यादृच्छिक न्यादर्श विधि द्वारा किया गया है एवं 108 शिक्षकों एवं उनके 540 विद्यार्थियों का चयन न्यादर्श के रूप में उद्देशयपूर्ण विधि से किया गया है।प्रदत्तों के संकलन हेतु कुमार एवं मुथा (1999) द्वारा निर्मित शिक्षक प्रभावशीलता स्केल का उपयोग किया गया है और शैक्षिक उपलब्धि का मापन विद्यार्थियों के द्वारा पूर्व कक्षा में प्राप्त किए गए प्राप्तांक से किया गया है।एक द्विश प्रसरण विश्लेषण से परिणाम प्राप्त हुआ कि शिक्षकों के शिक्षक प्रभावशीलता का उनके विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर अंशतः सार्थक प्रभाव पड़ता है ।

मुख्य शब्द – शिक्षक प्रभावशीलता – उच्च, मध्यम, निम्न, एवं शैक्षिक उपलब्धि।

प्रस्तावना – शिक्षा मानव के जीवन को प्रकाशित करती है एवं उसमे अंतर्निहित गुणों को विकसित करके जीवनयापन करने में समर्थ बनाती है।शिक्षा के द्वारा ज्ञान को अर्जित कर किया जाता है।शिक्षा प्राप्त करने की प्रक्रिया जीवन पर्यन्त चलती रहती है।बालक की शिक्षा औपचारिक रूप से विद्यालय से प्रांरभ होती है।प्राथमिक, माध्यमिक, उच्चतर माध्यमिक स्तर पर शिक्षा विद्यालय में होती है।यहॉ विद्यालय में शिक्षकों के द्वारा ज्ञान प्राप्त कर विद्यार्थियों में ज्ञान, अवबोध, कौशल विभिन्न गुणों का विकास होता है।विद्यार्थियों के लिए शिक्षक आदर्श होते है, शिक्षकों के आदर्श व्यवहार , शिक्षण, अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा एवं अन्य गुणों से विद्यार्थी प्रभावित होते है।शिक्षक प्रभावशीलता का अर्थ शिक्षकों के प्रभावी शिक्षण से है।वर्तमान समय में विद्यार्थियों का आकलन उनकी शैक्षिक उपलब्धि से किया जा रहा है।विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि जितनी अधिक होगी उनके शिक्षकों का शिक्षण उतना ही प्रभावी माना जाता है। **अकिरि (2013)** ने नाइजीरिया के डेल्टा स्टेट में पब्लिक सेकेन्डरी स्कूलों में छात्रों के शैक्षिक प्रदर्शन पर शिक्षकों की

प्रभावशीलता का प्रभाव का अध्ययन कर ज्ञात किया कि प्रभावी शिक्षकों ने बेहतर प्रदर्शन करने वाले छात्रों का निर्माण किया साथ ही निष्कर्ष मे कहा कि शिक्षकों की प्रभावशीलता ही छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि का एकमात्र निर्धारक नही है।**लिन, वाय. (2016)** ने शैक्षिक उपलब्धि और सामाजिक भावनात्मक कौशल दोनो में सुधार करने में शिक्षक की प्रभावशीलता का अध्ययन करके निष्कर्ष निकाला कि सामान्य रूप से सामाजिक भावनात्मक कौशल के साथ–साथ शैक्षिक उपलब्धि में सुधार के लिए शिक्षक प्रभावशीलता के बीच कोई आवश्यक संबंध नही है।शिक्षकों के निर्देशात्मक और सामाजिक भावनात्मक अभ्यास छात्रों के शैक्षिक और सामाजिक भावनात्मक विकास में अंतर कर सकते है। **भारतीय एवं गौतम (2018)** ने उच्च माध्यमिक विद्यालयों के पुरूष और महिला शिक्षकों के मध्य शिक्षण प्रभावशीलता और इसका छात्रों की उपलब्धि के साथ संबंध पर अध्ययन कर बताया कि शहरी विद्यालयों के शिक्षकों के शिक्षण प्रभावशीलता और छात्रों की उपलब्धि के मध्य अशतः सार्थक सकरात्मक संबंध है।इसी प्रकार ग्रामीण विद्यालयों के शिक्षकों के शिक्षण प्रभावशीलता और छात्रों की उपलब्धि के मध्य भी अशतः सार्थक सकरात्मक संबंध है। **अदयेमी ,बी. ए. (2020)** ने सीनियर सेकेन्डरी स्कूल सिविक, ओसुन स्टेट नाइजीरिया में शिक्षकों की प्रभावशीलता और छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि पर अध्ययन कर परिणाम ज्ञात किया कि ओसुन स्टेट के केन्द्रीय स्थानीय सरकार क्षेत्र सिविक में शिक्षकों की प्रभावशीलता और छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि में सहसंबंध है। **अहमद, जेड. ,सलीम ,जेड. एवं रहमान, के. (2020).** ने डेरा इस्माइल खान पाकिस्तान के माध्यमिक विद्यालयों में विज्ञान विषय में छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि पर शिक्षक प्रभावशीलता और छात्र दृष्टिकोण का प्रभाव पर अध्ययन कर निष्कर्ष निकाला कि छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि पर शिक्षक प्रभावशीलता का सार्थक प्रभाव पाया गया, साथ ही छात्रों के दृष्टिकोण का भी उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर सार्थक प्रभाव देखा गया।**चिकेन्दु , आर. ई.** (2022) ने माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षक की प्रभावशीलता और छात्रों का शैक्षिक प्रदर्शन का अध्ययन कर बताया कि शिक्षक प्रभावशीलता माध्यमिक विद्यालयों के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि का पूर्व सूचक है। **कोरल्ली, बी. सी. एवं हूविनाभवी, बी. (2021)** ने कुलबर्गी जिले के हाई स्कूल के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि के संबंध में शिक्षण प्रभावशीलता का अध्ययन कर निष्कर्ष निकाला कि कक्षा दसवीं में पढ़ने वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि और शिक्षक प्रभावशीलता के मध्य सकरात्मक सार्थक सहसंबंध है।

अध्ययन का उद्देश्य –

- उच्चतर माध्यमिक स्तर के शिक्षकों के शिक्षक प्रभावशीलता का उनके विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करना।

समस्या कथन – उच्चतर माध्यमिक स्तर के शिक्षकों के शिक्षक प्रभावशीलता का उनके विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन ।

परिकल्पना

H1- उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों के शिक्षक प्रभावशीलता का उनके विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर सार्थक प्रभाव पाया जाएगा।

परिसीमाएँ–

- प्रस्तुत अध्ययन दुर्ग जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में स्थित उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में कक्षा बारहवीं के कला,विज्ञान ,वाणिज्य विषयों का अध्यापन करने वाले शिक्षकों के शिक्षक प्रभावशीलता के अध्ययन तक सीमित है।
- प्रस्तुत अध्ययन दुर्ग जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में स्थित उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में कक्षा बारहवीं के कला,विज्ञान ,वाणिज्य विषयों के विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि के अध्ययन तक सीमित है।
- प्रस्तुत अध्ययन शिक्षकों के उच्च, मध्यम, निम्न शिक्षक प्रभावशीलता के अध्ययन तक सीमित है।

शोध विधि – प्रस्तुत शोध में शिक्षकों के शिक्षक प्रभावशीलता का उनके विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन करने के लिए सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

शोध प्रविधि –

न्यादर्श –प्रस्तुत अध्ययन में दुर्ग जिले के शहरी क्षेत्र में स्थित 04 उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एवं ग्रामीण क्षेत्र में स्थित 04 उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का चयन यादृच्छिक न्यादर्श विधि द्वारा किया गया है।उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में कक्षा बारहवीं में कला, विज्ञान, वाणिज्य विषयों का अध्यापन करने वाले 108 शिक्षकों का चयन उद्देश्यपूर्ण न्यादर्श विधि द्वारा किया गया है। कक्षा बारहवीं में कला, विज्ञान, वाणिज्य विषयों के प्रत्येक शिक्षकों के पॉच विद्यार्थियों का चयन अध्ययन हेतु करने के लिए कुल 540 विद्यार्थियों का चयन उद्देश्यपूर्ण न्यादर्श विधि द्वारा किया गया है।

शोध उपकरण – शिक्षकों के शिक्षक प्रभावशीलता का अध्ययन करने के लिए कुमार एवं मुथा (1999) द्वारा निर्मित शिक्षक प्रभावशीलता स्केल का उपयोग किया गया है एवं विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का मापन उनके द्वारा पूर्व कक्षा में प्राप्त किए गए प्राप्तांको से किया गया है।

चर –

स्वतंत्र चर – शिक्षक प्रभावशीलता –उच्च शिक्षक प्रभावशीलता,मध्यम शिक्षक प्रभावशीलता, निम्न शिक्षक प्रभावशीलता।

आश्रित चर – विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि ।

सांख्यिकीय विधि – प्रस्तुत शोध में प्रदत्तों का सांख्यिकीय विश्लेषण करने के लिए एक द्विश प्रसरण विश्लेषण विधि का उपयोग किया गया है।

सांख्यिकीय विश्लेषण एवं परिणाम – शिक्षक प्रभावशीलता एवं विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि से संबंधित प्रदत्तों का सांख्यिकीय विश्लेषण एक द्विश प्रसरण विश्लेषण द्वारा किया गया।संगणना से प्राप्त सारांश तालिका में निम्न प्रकार से प्रदर्शित है–

तालिका क्रमांक – 1

शिक्षक प्रभावशीलता श्रेणियों के परिप्रेक्ष्य में विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि के सांख्यिकीय मान

शिक्षकों का समूह	शैक्षिक उपलब्धि			
	प्रदत्तों की संख्या	मध्यमान	प्रामाणिक विचलन	मध्यमान की प्रामाणिक त्रुटि
उच्च शिक्षक प्रभावशीलता स्तर	260	68.67	12.27	0.76
मध्यम शिक्षक प्रभावशीलता स्तर	170	64.72	10.89	0.83
निम्न शिक्षक प्रभावशीलता स्तर	110	62.32	10.32	0.98

तालिका क्रमांक – 2

एनोवा सारांश

प्रसरण के स्त्रोत	स्वतंत्रता के अंश	वर्गो का योग	मध्यमान वर्ग	एफ – अनुपात
Between Groups	02	3611.281	1805.641	13.71**
Within Group	537	70719.149	131.693	
Total	539	74330.430		

F(2, 537) = 3.01 at .05 level, 4.65 at .01 level, .01 स्तर पर सार्थक

उपरोक्त तालिका में गणना किये गये F=13.71 के अनुसार विभिन्न शिक्षक प्रभावशीलता श्रेणियों के शिक्षकों के मार्गदर्शन में शिक्षा प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में .01 के सार्थकता स्तर पर भिन्नता है जो कि F(2, 537) =4.65 at .01 सार्थक स्तर से भी सिद्ध होता है ।

अतः तालिका क्रमांक 1 तथा 2 में दर्शाये गये परिणामों की पुष्टि हेतु Least Significant Difference Method का प्रयोग किया गया ।

प्राप्त परिणाम तालिका क्रमांक – 3 में निम्न प्रकार प्रस्तुत हैं –

तालिका क्रमांक – 3

शिक्षक प्रभावशीलता की श्रेणियों (उच्च, मध्यम तथा निम्न) के मध्य विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि के मध्यमान में अंतर की तुलना

Least Significant Difference Test with Significance Level .05

शैक्षिक उपलब्धि		
मध्यमान I	मध्यमान J	मध्यमान अंतर
उच्च स्तर की शिक्षक प्रभावशीलता दर्शाने वाले शिक्षकों का समूह	मध्यम स्तर की शिक्षक प्रभावशीलता दर्शाने वाले शिक्षकों का समूह	3.95*
	निम्न स्तर की शिक्षक प्रभावशीलता दर्शाने वाले शिक्षकों का समूह	6.34*
मध्यम स्तर की शिक्षक प्रभावशीलता दर्शाने वाले शिक्षकों का समूह	निम्न स्तर की शिक्षक प्रभावशीलता दर्शाने वाले शिक्षकों का समूह	2.39

* .05 के सार्थकता स्तर पर

प्राप्त परिणाम आरेख क्रमांक 1.0 में भी स्तंभ डायग्राम के माध्यम से दिये गये हैं ।

आरेख 1.0

शिक्षक प्रभावशीलता की श्रेणियों के परिप्रेक्ष्य में विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि के सांख्यिकीय मान का स्तंभ आरेख

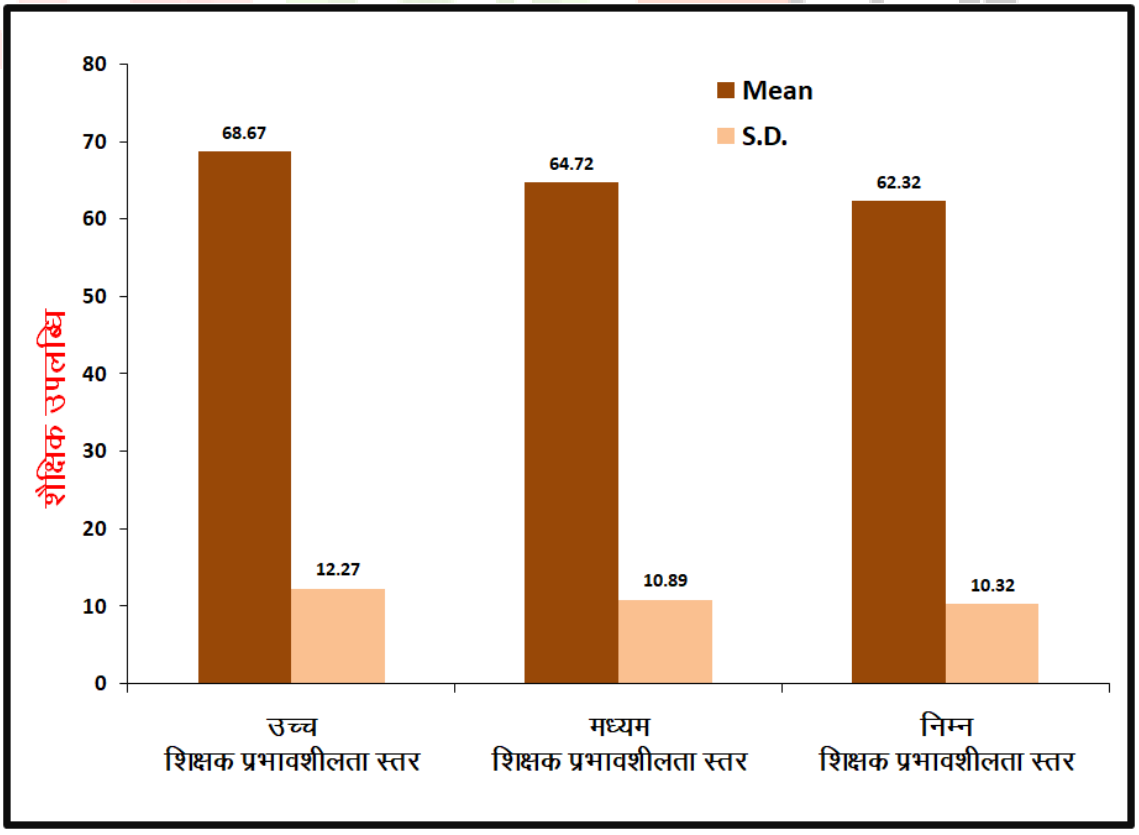

तालिका क्रमांक –2 के अवलोकन से निम्नलिखित परिणाम प्राप्त हुए :

1. उच्च तथा मध्यम स्तर की शिक्षक प्रभावशीलता दर्शाने वाले शिक्षकों के समूहों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक भिन्नता पायी गयी ।

   उच्च स्तर की शिक्षक प्रभावशीलता दर्शाने वाले शिक्षकों के समूह के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर मध्यमान =68.67, मध्यम स्तर की शिक्षक प्रभावशीलता दर्शाने वाले शिक्षकों के समूह के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर मध्यमान =64.72 से अधिक था एवं दोनों समूहों के बीच 3.95 का मध्यमान अंतर भी सांख्यिकीय रूप से .05 के सार्थकता स्तर पर सिद्ध था ।

2. उच्च तथा निम्न स्तर की शिक्षक प्रभावशीलता दर्शाने वाले शिक्षकों के समूहों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक भिन्नता पायी गयी ।

   उच्च स्तर की शिक्षक प्रभावशीलता दर्शाने वाले शिक्षकों के समूह के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर मध्यमान =68.67, निम्न स्तर की शिक्षक प्रभावशीलता दर्शाने वाले शिक्षकों के समूह के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर मध्यमान =62.32 से अधिक था एवं दोनों समूहों के बीच 6.34 का मध्यमान अंतर भी सांख्यिकीय रूप से .05 के सार्थकता स्तर पर सिद्ध था ।

3. मध्यम तथा निम्न स्तर की शिक्षक प्रभावशीलता दर्शाने वाले शिक्षकों के समूहों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक भिन्नता नहीं पायी गयी ।

   मध्यम स्तर की शिक्षक प्रभावशीलता दर्शाने वाले शिक्षकों के समूह के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर मध्यमान =64.72, मध्यम स्तर की शिक्षक प्रभावशीलता दर्शाने वाले शिक्षकों के समूह के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर मध्यमान =62.32 से अधिक था परन्तु इन दोनों समूहों के बीच 2.39 का मध्यमान अंतर सांख्यिकीय रूप से सार्थकता स्तर पर सिद्ध नहीं था ।

तालिका क्रमांक 1.0 के परिणामों के अनुसार समग्र रूप से शिक्षकों की विभिन्न शिक्षक प्रभावशीलता की श्रेणियों तथा उसके अंतर्गत आने वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में समग्र रूप से सार्थक भिन्नता है तथा उच्च स्तर की शिक्षक प्रभावशीलता समूह के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि, मध्यम तथा निम्न स्तर के शिक्षक प्रभावशीलता समूह की तुलना में सार्थक स्तर पर अधिक है किन्तु मध्यम तथा निम्न स्तर की शिक्षक प्रभावशीलता समूह के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक भिन्नता नहीं है, अतः इस परिप्रेक्ष्य में परिकल्पना क्रमांक H_1 उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों के शिक्षक प्रभावशीलता का उनके विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर सार्थक प्रभाव पाया जाएगा। आंशिक रूप से स्वीकृत होती है।

निष्कर्ष एवं सुझाव – सांख्यिकीय विश्लेषण एवं परिणाम से स्पष्ट है कि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों के शिक्षक प्रभावशीलता का उनके विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर सार्थक प्रभाव पड़ता है।इससे पूर्व भारतीय एवं गौतम (2018) ने भी अपने अध्ययन में यह ज्ञात किया था कि शिक्षकों की शिक्षण प्रभावशीलता और उनके विद्यार्थियों की उपलब्धि के मध्य सार्थक सकरात्मक संबंध है।शिक्षकों के शिक्षक प्रभावशीलता का स्तर जितना अच्छा होगा उनके विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि उतनी ही अधिक होगी।अतः विद्यालयों में शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता को बढ़ाने के लिए सार्थक प्रयास करने की आवश्यकता है।

Reference –

Adeymi, B.A. (2020). Teachers Effectiveness and Student's Academic Achievement in Senior secondary School Civic, Osun State Nigeria. *Asian Journal of Social Sciences and Management Studies.* 7(2),99-103

Ahmad, Z., Saleem, Z. & Rehman, K. (2020). Impact of Teacher Effectiveness and Student Attitude on Student's Academic Achievement in Science Subject in the Secondary Schools of Dera Ismail Khan (Pakistan). Global Social Science Review,V(I), 241-247. doi:10.31703/gssr.2020 (V-I).25

Akiri, A.A. (2013).Effects of Teachers Effectiveness on Academic Performance in Public Secondary School; Delta state Nigeria. Journal of Educational and Social Research, 3(3), 105-111.

Bhatiya,S., & Gautam,G. (2018).A Study of Effectiveness in Teaching among Male and Female Teachers of Higher Secondary School and its Relation with Student's Achievement.*CHETANA*,3(3),164-176.

Chikendu, R.E. (2022). Teachers Effectiveness And student's Academic Performance in Secondary Schools. *International Journal of Advanced Academic Research*,8(2),90-97.

Koralli, B.C. & Hoovinabhavi, B. (2021). Relationship of Teaching Effectiveness in Relation to Academic Achievement of High School Students of Kalaburgi District. *International Journal of Creative Research Thoughts (IJCRT)*, 9(9),681-688.

Lin,Y. (2016). Teacher Effectiveness in improving both Academic Achievement and Social –Emotional Skills. Degree of Master of Arts. University of California Riverside.

Garrett, H.E. (1984). Statistics in Psychology & Education.Kalyani Publishers,New Delhi,pp.399-400.

Singh,A.K. (2013). Research Methods in Psychology Sociology and Education. Motilal Banarsidas ,Delhi ,pp 220,232